Punyashlok Ahilyadevi Holkar Solapur University,Solapur

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय, सोलापुर

Name of faculty: Humanities

मानव्य विद्याशाखा

CBCS & NEP - 2020 Syllabus

चयनाधारित श्रेयांक पद्धति एवं

राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 के अनुसार पाठ्यक्रम

Name of the Course

Hindi B. A. Part - III Sem. - V

हिंदी बी. ए. भाग - 3 सत्र - 5

Papers

प्रश्नपत्र

DSC, DSE, Minor, VSC, IKS, FP

With effect from June 2026

जून 2026 से आरंभ

5.0	Sem.- V		Theory		Total				
		Major Mandatory	U.A.	C.A.	100	Credit	Lectures		
	DSC-7	काव्यशास्त्र	60	40	100	4.0	60	4.0	3 Years
	DSC-8	हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल)	60	40	100	4.0	60	4.0	
	DSE-5.1 **or** DSE-5.2	प्रयोजनमूलक हिंदी **अथवा** विशेष रचनाकार- काशीनाथ सिंह	60	40	100	4.0	60	4.0	
	Minor-5	हिंदी उपन्यास एवं व्याकरण	60	40	100	4.0	60	4.0	
	VSC-	भाषा प्रौद्योगिकी	30	20	50	2.0	30	2.0	
	IKS	हिंदी साहित्य भक्ति परंपराः गुरू महिमा	30	20	50	2.0	30	2.0	
	FP	कार्यक्षेत्र प्रकल्प	30	20	50	2.0	30	2.0	
		Total			650	22.0	330	22.0	

	Punyashlok Ahilyadevi Holkar Solapur University, Solapur **B. A.– III (Hindi), Semester - V** **Vertical: DSC 7** **Course Code:** G03-DSC1-0505 Hindi-VII **Course Name: Hindi** **Title of Paper: काव्यशास्त्र**

***Teaching Scheme** **Lectures: 60 Hours, 04 Credits** **OR** **Practical: 00 Hours, 00 Credit**	**With effect from** **June - 2026**	***Examination Scheme** **UA:-** 60 Marks **CA:-** 40 Marks

प्रस्तावनाः (Introduction)

मानवी जीवन संगीत, नृत्य, चित्र, शिल्प, साहित्य आदि विभिन्न कलाओं से परिपूर्ण है। इन विभिन्न कलाओं का अविष्कार उसने अपने जीवन यापन के लिए ही किया। इनमें भी साहित्य यह एक ऐसी कला है जिसका इतिहास बहुत प्राचीन है। साहित्य को पहले काव्य कहा जाता था। काव्य सीमित तथा साहित्य व्यापक संकल्पना है। इसके अंतर्गत आनेवाली किसी भी रचना के गठन ,भाव तथा मूल्य उद्घाटन के लिए उसके शास्त्र का ज्ञान आवश्यक होता है। इस शास्त्र को ही काव्यशास्त्र एवं साहित्यशास्त्र भी कहा जाता है। इसकके अध्ययन से पाठकों की दृष्टि एवं सोच में परिवर्तन आता है। सहित्य के माध्यम से समाज की ओर देखने का दृष्टिकोण बदलता है। साहित्य के कलापक्ष को समझने के लिए और मूल्यों को बनाए रखने में इसके शास्त्र का अध्ययन विशेष महत्व रखता है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य: (Objective of the Course)

1. साहित्य के स्वरूप को समझाना।
2. साहित्य के भेदों से अवगत कराना।
3. साहित्य की विभिन्न विधाओं का परिचय कराना।
4. गद्य (विचार) तथा पद्य (संवेदना) के तत्वों को समझाना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणामः (Course Learning Outcomes)

1. छात्र साहित्य के स्वरूप से अवगत होगें।
2. छात्र साहित्य के विविध भेदों ,तत्वों, स्वरूप, विशेषताओं से अवगत होगें।
3. छात्र साहित्य की नई विधाओं से परिचित होगें।
4. छात्र गद्य तथा पद्य के तत्वों से परिचित होगें।

शिक्षण अधिगम प्रक्रियाः (Teaching Learning Process)

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा
3. आंतरिक मूल्यांकन
4. सेमिनार का आयोजन

NEP 2020, CBCS PATTERN B. A. III, SEM. 5, Paper- DSC 7

[Credits: Theory-(04), Practical's-(00)]

Total Theory Lectures-(60), Credit 04

अध्ययनार्थ विषय **Weightage**

इकाई- 1: साहित्य **(Lectures 15,Credit 1, Marks 15)**

1. साहित्य: परिभाषा, प्रेरणा तथा प्रयोजन (भारतीय)
2. साहित्य के तत्व
3. शब्द- शक्ति: स्वरूप और शब्द- शक्ति के भेद

इकाई- 2: काव्यभेद **(Lectures 15,Credit 1, Marks 15)**

1. महाकाव्य (भारतीय स्वरूप एवं तत्व)
2. खंडकाव्य
3. प्रगीत और उसकी विशेषताएँ
4. गजल का सामान्य परिचय

इकाई- 3: गद्य भेद **(Lectures 15,Credit 1, Marks 15)**

1. नाटक की परिभाषा एवं पाश्चात्य तत्व
2. कहानी की परिभाषा एवं तत्व
3. उपन्यास की परिभाषा एवं तत्व
4. एकांकी की परिभाषा एवं तत्त्व

इकाई- 4: अलंकार **(Lectures 15,Credit 1, Marks 15)**

1. शब्दालंकार-अनुप्रास, यमक, श्लेष
   (लक्षण और उदाहरण अपेक्षित है, भेद नहीं)
2. अर्थालंकार-उपमा, उत्प्रेक्षा, रूपक
   (लक्षण और उदाहरण अपेक्षित है, भेद नहीं)

प्रश्न पत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

1. बहुविकल्पी 12 प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	12 अंक
2. लघुत्तरी प्रश्न (6 में से 4) (पूरे पाठ्यक्रम पर)	12 अंक
3. टिप्पणियाँ (4 में से 2) (पूरे पाठ्यक्रम पर)	12 अंक
4. दीर्घोतरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) (पूरे पाठ्यक्रम पर)	12 अंक
5. दीर्घोत्तरी 01 प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	12 अंक
	कुल अंक 60

Equivalent Subject for old Syllabus

Sr. No.	Name of the old paper Sem. V (old CBCS)	Name of the paper Sem. V (NEP-2020)
01	काव्यशास्त्र	काव्यशास्त्र

संदर्भ-

1. काव्यशास्त्र- भगीरथ मिश्र
2. शास्त्रीय समीक्षा के सिद्धांत- डॉ. गोविंद त्रिगुणायत
3. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत- डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त
4. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य की रूपरेखा- डॉ. तेजपाल चौधरी
5. साहित्यशास्त्र- डॉ. चंद्रभानु सोनवणे
6. साहित्यशास्त्र- डॉ. संजय नवले
7. साहित्यशास्त्र तथा आलोचना- डॉ. माधव सोनटक्के
8. भारतीय साहित्यशास्त्र- डॉ. विठ्ठल भालेराव
9. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र- डॉ. ज्ञानराज गायकवाड
10. सौंदर्यशास्त्र के तत्व- कुमार विमल
11. साहित्यिक विमर्श- डॉ. रविंद्रकुमार शिरसाट
12. काव्यशास्त्र: विविध आयाम- डॉ. मधु खराटे
13. आलोचना के आधारस्तंभ- रामेश्वरलाल खंडेलवाल
14. साहित्यिक निबंध- सं. शांतिस्वरूप गुप्त
15. भारतीय पाश्चात्य काव्यशास्त्र- डॉ. देशराजसिंह भाटी
16. भारतीय काव्यशास्त्र- डॉ. द्वारकानाथ बाली

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापूर विद्यापीठ ॥ विद्यया संपन्नता ॥ NAAC Accredited-2022 'B++' Grade (CGPA-2.96)	**PUNYASHLOK AHILYADEVI HOLKAR SOLAPUR UNIVERSITY, SOLAPUR** **B.A. Hindi Sem-V** **Vertical: DSC- 8** **Course Code:** G03-DSC1-0506 Hindi-VIII **Course Name: Hindi** **Title of Paper: - आदिकालीन और मध्यकालीन हिंदी साहित्य का इतिहास (विक्रमी संवत 1050 से विक्रमी संवत 1900 तक)**	
Teaching Scheme: **Lectures: 60 Hours, 04 Credits** **OR** **Practical: 00 Hours, 00 Credit**	**With Effect from** **June - 2026**	**Examination Scheme:** **UA: 60 Marks** **CA: 40 Marks**

प्रस्तावना: (Introduction)

हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास एक हजार वर्षों से भी अधिक पुराना है। इस इतिहास को छात्र सिलसिलेवार और वैज्ञानिक पद्धति से समझें इस उद्देश्य से इस पाठ्यक्रम की योजना की गयी है। संवत 1050 विक्रमी से संवत 1900 विक्रमी तक की लंबी अवधि में हिंदी साहित्य किन-किन दिशाओं और स्थितियों से विकसित होता आगे बढा, इसका आकलन छात्रों को इस पाठ्यक्रम से हो जाएगा। हिंदी साहित्य को विकसित करने में इस दौर के कालजयी रचनाकारों और उनकी रचनाओं का योगदान अनन्य साधारण है। इस दौर में लिखा गया साहित्य इस देश की तमाम परिस्थितियों का दर्पण बनकर हमारे सामने आता है। इसके माध्यम से हम उस युग के इतिहास, भूगोल, समाज, राजनीति, धर्म, अर्थनीति, शिक्षा आदि चीजों को समझ सकते हैं। हिंदी साहित्य का विक्रमी संवत 1050 से विक्रमी संवत 1900 तक का काल कई क्षेत्रों में उथल-पुथल का काल रहा है। इन तमाम चीजों को समझने के लिए यह पाठ्यक्रम एक माध्यम है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य: (Objective of the Course)

1. हिंदी साहित्य के इतिहास के प्रति रूचि जागृत करना।
2. हिंदी साहित्य इतिहास लेखन और उसकी परंपरा से अवगत कराना।
3. हिंदी साहित्य का काल विभाजन और उसके नामकरण से अवगत कराना।
4. हिंदी साहित्य के विभिन्न काल और उस काल के रचनाकारों से अवगत करना।
5. हिंदी साहित्य के विभिन्न कालों के साहित्य की अंतर्वस्तु से अवगत कराना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम: (Learning Outcomes)

1. हिंदी साहित्य के इतिहास के प्रति रूचि जागृत होगी।
2. हिंदी साहित्य इतिहास लेखन और उसकी परंपरा से अवगत होंगे।
3. हिंदी साहित्य का काल विभाजन और उसके नामकरण से अवगत होंगे।
4. हिंदी साहित्य के विभिन्न काल और उस काल के रचनाकारों से अवगत होंगे।
5. हिंदी साहित्य के विभिन्न कालों के साहित्य की अंतर्वस्तु से अवगत होंगे।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया: (Teaching Learning Process)

1. कक्षा व्याख्यान
2. गुट चर्चा
3. सेमिनार
4. शैक्षिक यात्रा
5. ऑडियो-वीडियो सामग्री प्रयोग

NEP 2020, CBCS PATTERN B. A. III, SEM. 5, Paper- DSC-8
[Credits: Theory-(04), Practical's-(00)]
Total Theory Lectures-(60), Credit 4

अध्ययनार्थ विषय **Weightage**

इकाई- 1: आदिकाल **(Lectures 15, Credit 1, Marks 15)**

1. हिंदी साहित्य का काल विभाजन तथा नामकरण
2. आदिकाल की परिस्थितियाँ: सामाजिक एवं राजनीतिक
3. रसों साहित्य की विशेषताएँ
4. आदिकाल की प्रतिनिधि रचनाएँ एवं रचनाकारराज रासोपृथ्वी : , बीसलदेव रासो ,अमीर खुसरो, विद्यापति

इकाई- 3: भक्तिकाल (निर्गुण भक्ति) **(Lectures 15, Credit 1, Marks 15)**

1. भक्तिकाल की परिस्थितियाँ : सामाजिक एवं राजनीतिक
2. ज्ञानाश्रयी शाखा की विशेषताएँ
3. प्रेमाश्रयी शाखा की विशेषताएँ
4. निर्गुण संत कवि - संत कबीर,रैदास, मलिक मुहम्मद जायसी

इकाई- 2: भक्तिकाल (सगुण भक्ति) **(Lectures 15, Credit 1, Marks 15)**

1. सगुण भक्ति स्वरुप
2. रामभक्ति काव्य की विशेषताएँ
3. कृष्णभक्ति काव्य की विशेषताएँ
4. सगुण भक्त कवि- गोस्वामी तुलसीदास, सूरदास

इकाई- 4: रीतिकाल **(Lectures 15, Credit 1, Marks 15)**

1. रीतिकाल की परिस्थितियाँ : सामाजिक एवं राजनीतिक
2. रीतिकाल का नामकरण
3. रीतिकालीन साहित्य की विशेषताएँ
4. रीतिकाल के प्रतिनिधि रचनाकार- भूषण, बिहारी, घनानंद

प्रश्नपत्र का स्वरूप एव अंक विभाजन

1. बहुविकल्पी 12 प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	12 अंक
2. लघुत्तरी प्रश्न (6 में से 4) (पूरे पाठ्यक्रम पर)	12 अंक
3. टिप्पणियाँ (4 में से 2) (पूरे पाठ्यक्रम पर)	12 अंक
4. दीर्घोतरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) (पूरे पाठ्यक्रम पर)	12 अंक
5. दीर्घोत्तरी 01 प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	12 अंक
	कुल अंक 60

Equivalent subject for old syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper Sem – V (CBCS)	Name of the New Paper Sem – V (NEP-2020)
1.	आदिकालीन और मध्यकालीन हिंदी साहित्य का इतिहास (विक्रमी संवत 1050 से विक्रमी संवत 1900 तक)	आदिकालीन और मध्यकालीन हिंदी साहित्य का इतिहास (विक्रमी संवत 1050 से विक्रमी संवत 1900 तक)

- **संदर्भ-**

1. हिंदी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2. हिंदी साहित्य : बीसवीं शताब्दी - नदंदुलारे वाजपेयी
3. हिंदी साहित्य : संवेदना और विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी
4. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास - बच्चन सिंह
5. आदिकालीन हिंदी साहित्य के अध्ययन की दिशाएँ - अनिल राय
6. हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. नगेंद्र
7. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास – गणपतिचंद्र गुप्त
8. हिंदी साहित्य का इतिहास – लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
9. http://gadyakosh.org
10. https://en.wikipedia.org/wiki
11. https://www.hindisahity.com/hindi-sahitya-ka-kaal-vibhajan-aur-naamkaran/

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापूर विद्यापीठ ।। विद्यया संपन्नता ।। NAAC Accredited-2022 'B++' Grade (CGPA-2.96)	**Punyashlok Ahilyadevi Holkar Solapur University, Solapur** **B.A .- III (Hindi), Semester – V** **Vertical: DSE – 5.1** **Course Code: G 0 3 - D S E - 0 5 0 3** **Course Name: Hindi** **Title of Paper: Prayojanmulak Hindi (प्रयोजनमूलक हिंदी)**

***Teaching Scheme** **Lectures: 60 Hours, Credits: 04** **OR** **Practical: 00 Hours, 00 Credit**	**With effect from June – 2026**	***Examination** **Scheme UA:- 60 arks** **CA:- 40 Marks**

प्रस्तावना / Introduction:

आजाद भारत में राजभाषा हिंदी, प्रशासन और कार्यालय की भाषा के रूप में विकसित हुई है। सूचना प्रौद्योगिकी के युग में इसका महत्व और प्रासंगिकता अधिक बढ़ गई है। संचार क्रांति के परिणाम स्वरूप हिंदी भाषा जनसंचार माध्यमों में निरंतर नए आयामों को उद्घाटित कर रही है। परंपरागत संदर्भ स्रोतों के सिवाय अब भाषा और लिपि के नए संसाधन भी विकसित हो रहे हैं। हिंदी भाषा के इस प्रयोजनमूलक रूप का और उसके विविध आयामों का अध्ययन महत्वपूर्ण है। वैश्वीकरण के युग में विश्वमंच पर हिंदी की स्वीकार्यता को देखकर हर क्षेत्र में सरकारी कार्यालय, जनसंचार माध्यम तथा शैक्षिक संस्थानों में सभी स्थानों पर हिंदी में कार्य कुशल व्यक्ति की आवश्यकता है, इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए प्रयोजनमूलक हिंदी का पाठ्यक्रम तैयार किया है।

पाठ्यक्रम का उद्देश्य: (Course Objective)

1. प्रयोजनमूलक हिंदी के स्वरूप एवं विकास से परिचित कराना।
2. प्रयोजनमूलक हिंदी के माध्यम से रोजगारपरक कौशल विकसित कराना।
3. आधुनिक जनसंचार माध्यमों से परिचित कराना।
4. कार्यालयीन पत्राचार से अवगत कराना।
5. विविध आधुनिक संदर्भ स्रोतों से अवगत कराना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम: (Course Learning Outcome)

1. प्रयोजनमूलक हिंदी के स्वरूप एवं विकास से परिचित होंगे।
2. छात्रों में रोजगारपरक कौशल विकसित होगा।
3. आधुनिक जनसंचार माध्यमों से परिचित होंगे।
4. कार्यालयीन पत्राचार के स्वरूप से परिचित होंगे।
5. आधुनिक विविध संदर्भ स्रोतो से परिचित होंगे।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया: (Teaching Learnig Process)

1. कक्षा व्याख्यान
2. गूट चर्चा
3. कार्यालयीन पत्र लेखन
4. हिंदी के रोजगारपरक क्षेत्र को भेंट

NEP 2020, CBCS PATTERN B. A. III, SEM. 5, Paper- DSE- 5.1

[Credits: Theory-(04), Practical's-(00)]

Total Theory Lectures-(60), Credit 4

अध्ययनार्थ विषय **Weightage**

इकाई : 1. प्रयोजनमूलक हिंदी : स्वरूप विश्लेषण (Credit-1 Lecture-15 Marks- 15)

1. प्रयोजनमूलक हिंदी:अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूपगत विशेषताएँ
2. प्रयोजनमूलक हिंदी की उपयोगिता
3. राजभाषा के रूप में हिंदीसामान्य परिचय :

इकाई: 2.जनसंचार माध्यमों में प्रयुक्त हिंदी (Lectures 15,Credit 1, Marks 15)

1. जनसंचार माध्यम : सामान्य परिचय
2. समाचार लेखक के गुण
3. वेब पत्रकारिता अर्थ :, परिभाषा एवं स्वरूप

इकाई: 3. कार्यालयीन पत्र (Lectures 15,Credit 1, Marks 15)

1. कार्यालयीन पत्र :अर्थ एवं स्वरूप
2. नौकरी के लिए आवेदन पत्र एवं पदाधिकारी के नाम पत्र
3. सरकारी पत्र - प्रेस विज्ञप्ति, कार्यालय ज्ञापन

इकाई: 4. संदर्भ स्रोत (Lectures 15,Credit 1, Marks 15)

1. पारिभाषिक शब्दावली : स्वरूप
2. कोश ग्रंथः सामान्य परिचय
3. हिंदी पोर्टल, विकिपिडिया, ब्लॉग लेखन एवं वेब पत्रकारिता

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

1. बहुविकल्पी 12 प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	12 अंक
2. लघुत्तरी प्रश्न (6 में से 4) (पूरे पाठ्यक्रम पर)	12 अंक
3. टिप्पणियाँ (4 में से 2) (पूरे पाठ्यक्रम पर)	12 अंक
4. दीर्घोतरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) (पूरे पाठ्यक्रम पर)	12 अंक
5. दीर्घोत्तरी 01 प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	12 अंक
	कुल अंक 60

Equivalent subject for old syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper Sem – V (CBCS)	Name of the New Paper Sem – V (NEP-2020)
1.	प्रयोजनमूलक हिंदी	प्रयोजनमूलक हिंदी

संदर्भ-

1. मीडिया लेखन: सिद्धांत और व्यवहार- डॉ. चंद्र प्रकाश मिश्र
2. प्रयोजनमूलक हिंदी: अधुनातन आयाम- डॉ. आंबादास देशमुख
3. प्रयोजनमूलक हिंदी- डॉ.रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
4. संपूर्ण पत्रकारिता- डॉ.अर्जुन तिवारी
5. प्रयोजनमूलक हिंदी- डॉ. विनोद गोदरे
6. राजभाषा हिंदी- डॉ. भोलानाथ तिवारी
7. प्रयोजनमूलक हिंदी: सिध्दांत और प्रयोग- डॉ.दंगल झाल्टे
8. प्रयोजनमूलक हिंदी की नई भूमिका- डॉ. कैलाशनाथ पांडेय
9. प्रयोजनमूलक हिंदी प्रयुक्ति और अनुवाद- डॉ. माधव सोनटक्के
10. htpps://Wikipedia.org/wiki/ प्रयोजनमूलक हिंदी
11. सरकारी कार्यालयों में हिंदी का प्रयोग- डॉ. गोपीनाथ श्रीवास्तव
12. डिजिटल ब्राडकास्टिंग जर्नालिज्म- डॉ. जितेन्द्र शर्मा
13. कोश विज्ञान- डॉ. भोलानाथ तिवारी
14. प्रयोजनमूलक हिंदी और पत्रकारिता- डॉ. दिनेशप्रसाद सिंह
15. हिंदी आलेखन- डॉ. रामप्रसाद किचुल
16. www.cstt.nic.in
17. www.rajbhasha.nic.in

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापूर विद्यापीठ ।। विद्यया संपन्नता ।।	**Punyashlok Ahilyadevi Holkar Solapur University, Solapur** **B.A. III (Hindi), semester - V** **Vertical: - DSE 5.2** **Course Code:- G 0 3 - D S E - 0 5 0 3** **Course Name: Hindi** **Title of Paper:- विशेष लेखकः काशीनाथ सिंह**	
*** Teaching Scheme** **Lectures: 60 Hours, 04 Credits** **OR** **Practical: 00 Hours, 00 Credit**	**With Effect from June – 2026**	*** Examination Scheme** **UA:- 60 Marks** **CA:- 40 Marks**

प्रस्तावनाः (Introduction)

काशीनाथ सिंह भारतीय साहित्य के प्रमुख कथाकारों में से एक हैं। उन्होंने उपन्यास, नाटक, संस्मरण और कुछ आलोचनात्मक आलेख भी लिखे। उन्होंने अपने समय और समाज के प्रति सावधान होकर पूरे दायित्व से लेखन किया। सन् 1960 के बाद के भारतीय समाज की वास्तविक स्थितियाँ निरन्तर व्यक्त हो ही रही थीं, किन्तु भयावहता कम होने को राजी नहीं थी। ऐसे में, इन परिस्थितियों की बुनियाद ढूँढने कुछ नया तलाशने, और शिद्दत से उन गुत्थियों को सुलझाने की ओर काशीनाथ सिंह ने प्रयास किया। वे जनाकांक्षा और व्यवस्था के बीच उत्पन्न विशाल खाई को तलाशने में तल्लीन हुए। उनकी कहानियाँ आम आदमी की जीवनी और सामाजिक संघर्षों पर आधारित हैं। काशीनाथ सिंह की कहानियाँ भारत की आजादी के बाद सामाजिक संदर्भों में नए बदलाव, प्रेम के नए रूप, स्त्री-पुरुष संबंध, अकेलापन, बाजारवाद, भूमंडलीकरण, नागरीकरण से उत्पन्न समस्याएँ एवं विडंबनाओं को परिचित कराती है। उनकी कहानियाँ साहित्य के क्षेत्र में महत्वपूर्ण स्थान रखती हैं।

पाठ्यक्रम का उद्देश्यः (Objective of the Course)

1. काशीनाथ सिंह के जीवन परिचय से परिचित कराना।
2. काशीनाथ सिंह की कहानियों से अवगत कराना।
3. कहानियों के भाव पक्ष और कला पक्ष से अवगत कराना।
4. छात्रों में राष्ट्रीय, सामाजिक एवं मानवीय दृष्टिकोण विकसित कराना।
5. छात्रों में सामाजिक प्रतिबद्धता एवं दायित्व बोध निर्माण कराना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम: (Learning Outcomes)

1. छात्र काशीनाथ सिंह के जीवन परिचय से परिचित होंगे।
2. काशीनाथ सिंह की कहानियों से अवगत होंगे।
3. कहानियों के भाव पक्ष और कला पक्ष से अवगत होंगे।
4. छात्रों में राष्ट्रीय, सामाजिक एवं मानवीय दृष्टिकोण विकसित होगा।
5. छात्रों में सामाजिक प्रतिबद्धता एवं दायित्व बोध निर्माण होगा।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया: (Teaching Learning Process)

1. **कक्षा व्याख्यान**
2. **गूट चर्चा**

NEP 2020, CBCS PATTERN B. A. III, SEM. 5, Paper- DSE- 5.2
[Credits: Theory-(04), Practical's-(00)]
Total Theory Lectures-(60), Credit 4

पाठ्यपुस्तकः प्रतिनिधि कहानियाँ- काशीनाथ सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ल्ली

अध्ययनार्थ विषय **Weightage**

इकाई- 1: व्यक्तित्व एवं कृतित्व **(Lectures 15, Credit 1 Marks- 15)**

1. काशीनाथ सिंहः व्यक्तित्व
2. काशीनाथ सिंहः कृतित्व
3. कहानीकारः काशीनाथ सिंह

इकाई-2: कहानियाँ- **(Lectures 15, Credit 1 Marks- 15)**

1. पहला प्यार
2. तीन काल-कथा
3. आखिरी रात

इकाई- 3: कहानियाँ- **(Lectures 15, Credit 1 Marks- 15)**

1. चोट
2. जंगल जातकम्
3. बेल

इकाई- 4: कहानियाँ- **(Lectures 15, Credit 1 Marks- 15)**

1. सुख
2. दलदल
3. सूचना

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

1. बहुविकल्पी 12 प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	12 अंक
2. लघुत्तरी प्रश्न (6 में से 4) (पूरे पाठ्यक्रम पर)	12 अंक
3. टिप्पणियाँ (4 में से 2) (पूरे पाठ्यक्रम पर)	12 अंक
4. दीर्घोतरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) (पूरे पाठ्यक्रम पर)	12 अंक
5. दीर्घोत्तरी 01 प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	12 अंक
	कुल अंक 60

Equivalent subject for old syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper Sem – V (CBCS)	Name of the New Paper Sem – V (NEP-2020)
1.	विशेष लेखक – काशीनाथ सिंह	विशेष लेखक- काशीनाथ सिंह

संदर्भ-

1. काशीनाथ सिंह का चिंतन और साहित्य- ऋचा श्रीवास्तव
2. कहानी: नई कहानी- नामवर सिंह
3. काशी के नाम- नामवर सिंह
4. बातें हैं बातों का क्या- संपादक- पल्लव
5. हंसा करो पुरातन बात- संपादक- शशिकुमार सिंह
6. कहन पत्रिका का विशेषांक 'साठ के काशी और काशी का साठ, संपादक- मनीष दुबे, 2000 (पुस्तक रूप में कासी पर कहन मीरा पब्लिकेशंस, न्याय मार्ग, इलाहाबाद से)
7. बनास जन का विशेषांक 'गल्पेतर गल्प का ठाठ 'काशी का अस्सी पर केंद्रित 2010 (संपादक- पल्लव, पुस्तक रूप में 'अस्सी का काशीः गल्पेतर गल्प का ठाठ', साहित्य भंडार, चाहचंद रोड, इलाहाबाद से)
8. संबोधन का विशेषांक, संपादक- कमर मेवाड़ी (अक्टूबर 2012 जनवरी 2013)
9. http://gadyakosh.org
10. https://www.youtube.com/watch?v=Y2LRmQ8G4KI

	Punyashlok Ahilyadevi Holkar Solapur University, Solapur **B.A. III (Hindi) , semester - V** **Vertical: - Minor- 5** **Course Code:- G03-DSC2-0503** **Course Name: Hindi** **Title of Paper: - हिंदी उपन्यास एवं व्याकरण**	
*** Teaching Scheme** **Lectures: 60 Hours, 04 Credits** **OR** **Practical: 00 Hours, 00 Credit**	**With Effect from June – 2026**	*** Examination Scheme** **UA:- 60 Marks** **CA:- 40 Marks**

प्रस्तावना :-

मानव समुदाय संवेदनशीलता को मार्मिक ढंग से प्रस्तुत करने की क्षमता हिंदी साहित्य में है। हिंदी साहित्य की सभी विधाएॅ पाठकों के बीच लोकप्रिय है। उपन्यास विधा सबसे ज्यादा चर्चित और पठनीय है। उपन्यास के माध्यम से रचनाकार मनुष्य के जीवन में स्थित समस्याओं, संघर्षो को मौलिकता के साथ चित्रित करता है। हिमांशु जोशी एक लोकप्रिय और चर्चित उपन्यासकार है । 'तुम्हारे लिए' हिमांशु जोशी का एक लोकप्रिय उपन्यास है। इस उपन्यास में विराग और अनुमेहा की प्रेम कहानी वर्णित है । यह उपन्यास सिर्फ एक प्रेम कहानी नहीं बल्कि जीवन की कड़वी सच्चाईयों और रिश्तों की जटिलताओं को भी दर्शाता है। उपन्यास पात्रों के अनुभवों, पीड़ाओं, आशाओं को बड़ी मार्मिकता से चित्रित किया गया है। इस उपन्यास का मराठी, अंग्रेजी आदि भाषाओं में अनुवाद हुआ है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Of Objective)

1. हिमांशु जोशी के जीवन परिचय से परिचित कराना।
2. हिमांशु जोशी के उपन्यास संसार का परिचय कराना।
3. छात्रों में उपन्यास विधा के प्रति अभिरुचि और समीक्षा दृष्टि विकसित करना।
4. छात्रों में राष्ट्रीय, सामाजिक एवं मानवीय दृष्टिकोण तथा दायित्व विकसित करना।
5. उपन्यास के भाव पक्ष और कला पक्ष से अवगत कराना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम (Learning Outcomes)

1. छात्र हिमांशु जोशी के जीवन परिचय से परिचित होंगे।
2. हिमांशु जोशी के उपन्यासों से अवगत होंगे।
3. उपन्यास के भाव पक्ष और कला पक्ष से अवगत होंगे।
4. छात्रों में राष्ट्रीय, सामाजिक एवं मानवीय दृष्टिकोण विकसित होगा।
5. छात्रों में सामाजिक प्रतिबद्धता एवं दायित्व बोध विकसित होगा।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया (Teaching Learning Process)

1. कक्षा व्याख्यान
2. गूट चर्चा
3. गृह कार्य

NEP 2020, CBCS PATTERN B. A. III, SEM. 5, Paper- Minor-3
[Credits: Theory-(04), Practical's-(00)]
Total Theory Lectures-(60), Credit 4

अध्ययनार्थ पाठ्यपुस्तक:-

1. 'तुम्हारे लिए' (उपन्यास)- हिमांशु जोशी, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली

अध्ययनार्थ विषय **Weightage**

इकाई - I साहित्यकार हिमांशु जोशी **(Credit 1. Lectures-15 Marks- 15)**

1. हिमांशु जोशी का जीवन परिचय एवं साहित्य संसार
2. हिमांशु जोशी के साहित्य का वैचारिक पक्ष
3. उपन्यासकार हिमांशु जोशी

इकाई II - 'तुम्हारे लिए' (उपन्यास) - हिमांशु जोशी (Credit 1. Lectures-15 Marks- 15)

1. उपन्यास की विषय वस्तु एवं पात्र परिचय
2. उपन्यास में संवाद
3. उपन्यास में देश काल वातावरण एवं शैली

इकाई III- 'तुम्हारे लिए' (उपन्यास) हिमांशु जोशी (Credit 1. Lectures-15 Marks- 15)

1. उपन्यास का उद्देश्य
2. शीर्षक की सार्थकता
3. उपन्यास की प्रासंगिकता

इकाई IV- व्याकरण **(Credit 1. Lectures-15 Marks- 15)**

1. उपसर्ग (सोदाहरण सामान्य परिचय)
2. प्रत्यय (सोदाहरण सामान्य परिचय)
3. वाक्य के भेद (अर्थ के आधारपर)

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

1. बहुविकल्पी 12 प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	12 अंक
2. लघुत्तरी प्रश्न (6 में से 4) (पूरे पाठ्यक्रम पर)	12 अंक
3. टिप्पणियाँ (4 में से 2) (पूरे पाठ्यक्रम पर)	12 अंक
4. दीर्घोतरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) (पूरे पाठ्यक्रम पर)	12 अंक
5. दीर्घोत्तरी 01 प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	12 अंक
	कुल अंक 60

संदर्भ-

1. 'तुम्हारे लिए' (उपन्यास), हिमांशु जोशी, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली

2. हिमांशु जोशी और उनका साहित्य- डॉ. नामदेव एम. गौडा

3. लेखक से भेट- साहित्य अकादमी, 15 अप्रैल 2011

4. हिमांशु जोशी रचना संचयन- संपादक- महेश दर्पण

5. संपूर्ण उपन्यास हिमांशु जोशी- संपादक- महेश दर्पण

6. सुबोध हिंदी व्याकरण- प्रा. वसंत खोत

7. आधुनिक हिंदी व्याकरणः स्वरूप एवं प्रयोग- डॉ. भारती सुबालवार

8. मानक हिंदी व्याकरण- डॉ. भीमराव मानकरे

	Punyashlok Ahilyadevi Holkar Solapur University, Solapur **B. A. III (Hindi), Semester - 5** **Vertical: VSC (Credit- 2)** **Course Code:** G03-VSC-0503 **Course Name: Hindi** **Title of Paper: भाषा प्रौद्योगिकी (Language Technology)**

*Teaching Scheme Lectures: 30 Hours, 02 Credits OR Practical: 00 Hours, 00 Credit 00	With effect from June – 2026	*Examination Scheme UA:- 30 Marks CA:- 20 Marks

भूमिका

भाषा प्रौद्योगिकी वह क्षेत्र है जिसमें मानव भाषा का अध्ययन कंप्यूटर व तकनीक की मदद से किया जाता है। इसके माध्यम से भाषण पहचान, मशीन अनुवाद, पाठ विश्लेषण, चैटबॉट, कॉर्पस निर्माण आदि कार्य किए जाते हैं। आज यह क्षेत्र डिजिटल दुनिया, इंटरनेट, मोबाइल ऐप, शिक्षा, प्रशासन और संचार में अत्यंत उपयोगी बन चुका है। हिंदी सहित भारतीय भाषाओं के तकनीकी विकास के लिए भाषा प्रौद्योगिकी अत्यंत आवश्यक है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

1. विद्यार्थियों को भाषा प्रौद्योगिकी की मूल अवधारणा से परिचित कराना।
2. प्राकृतिक भाषा संसाधन (NLP) की बुनियादी तकनीकों को समझाना।
3. भाषा प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोगों जैसे—मशीन अनुवाद, चैटबॉट, स्पीच-टू-टेक्स्ट का ज्ञान कराना।
4. हिंदी/भारतीय भाषाओं में भाषा तकनीक की प्रमुख चुनौतियों से अवगत कराना।
5. विद्यार्थियों में डिजिटल भाषा-ज्ञान और तकनीकी दक्षता विकसित करना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम (Course Learning Outcomes)

1. भाषा प्रौद्योगिकी की सरल परिभाषा, क्षेत्र और उपयोग समझ सकेंगे।
2. NLP की बुनियादी प्रक्रियाएँ—टोकनाइजेशन, स्टेमिंग, लेमेटाइजेशन, POS टैगिंग आदि को पहचान सकेंगे।
3. मशीन अनुवाद, वाक् पहचान और चैटबॉट की मूल कार्य-प्रणाली समझ सकेंगे।
4. भाषा प्रौद्योगिकी से संबंधित शब्दावली और बुनियादी टूल्स का उपयोग कर सकेंगे।
5. हिंदी और भारतीय भाषाओं की तकनीकी चुनौतियों का वर्णन कर सकेंगे।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया / Teaching Learning Process

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण पद्धति
2. दृक-श्राव्य साधनों माध्यमों का अध्यापन में प्रयोग
3. स्वाध्याय एवं समूह चर्चा

NEP 2020, CBCS PATTERN B. A. III, SEM. 5, Paper- VSC
[Credits: Theory-(02), Practical's-(00)]
Total Theory Lectures-(30), Credit 2

अध्ययनार्थ विषय **Weightage**

इकाई – 1 : भाषा प्रौद्योगिकी- **(Credit 1, Lectures-15 Marks – 15)**

1. भाषा प्रौद्योगिकी: अर्थ, स्वरूप एवं परिभाषा
2. भाषा प्रौद्योगिकी के लक्ष्य
3. भाषा प्रौद्योगिकी की उपयोगिता

इकाई - 2. भाषा प्रौद्योगिकी के विभिन्न क्षेत्रः **(Credit 1, Lectures-15 Marks – 15)**

1. मशीन अनुवाद
2. सर्च इंजन- Google, Opera, Firefox
3. चैटबोट- Gemini, Meta, ChatGPT

<u>प्रश्न पत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन</u>

(1) बहुविकल्पी 6 प्रश्न (पूरे पाठयक्रम पर)	06 अंक
(2) लघुत्तरी प्रश्न (6 में से 4 (पूरे पाठयक्रम पर)	06 अंक
(3) टिप्पणी केवल 1 (पूरे पाठयक्रम पर)	06 अंक
(4) दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से 1) (पूरे पाठयक्रम पर)	12 अंक
	कुल अंक = 30

संदर्भ-

1. भाषा और प्रौद्योगिकी- डॉ. विनोद कुमार प्रसाद
2. भाषा-प्रौद्योगिकी एवं भाषा-प्रबंधन- सूर्यप्रसाद दीक्षित
3. भाषा प्रौद्योगिकी और प्रयोजनमूलक हिन्दी- प्रमोद कोवप्रत

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापूर विद्यापीठ ।। विद्यया संपन्नता ।।	**Punyashlok Ahilyadevi Holkar Solapur University, Solapur** **B.A. III (Hindi), Semester-V** **Vertical: IKS** **Course Code:** G03-IKS-0501 **Course Name: Hindi** **Title of Paper: - हिंदी साहित्य भक्ति परंपरा: गुरू महिमा**	
* Teaching Scheme Lectures: 30 Hours, 02 Credits OR Practical: 00 Hours, 00 Credit	With Effect from June - 2026	* Examination Scheme UA:- 30 Marks CA:- 20 Marks

परिचय / Introduction

भारतीय संत परंपरा का इतिहास काफी प्राचीन है। सामान्यतः इस परंपरा के प्रवर्तन का श्रेय संत कबीर को दिया जाता है। किन्तु उनसे पूर्व भी अनेक संत हो चुके थे, जिन्होंने हिन्दी में रचना की। इनमें नामदेव का नाम विशेष रूप से उल्लेखनीय है। कबीर, रैदास, रज्जद, दादू आदि संतो ने भी नामदेव का नाम बड़ी श्रद्धा से लेते हुए उनकी गणना उच्च कोटि के संतों के रूप में की है। नामदेव की हिन्दी में रचित पदावली बड़ी संख्या में मिलती है। संत साहित्य में कालजयी मूल्यों का चित्रण हुआ है। वर्तमान काल में संत साहित्य प्रासंगिक है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य / Course objective

1. भारतीय साहित्य की भक्ति परंपरा से छात्रों को अवगत कराना।
2. हिंदी साहित्य की गुरू परंपरा से छात्रों को परिचित कराना।
3. संत साहित्य में चित्रित गुरू परंपरा से अवगत कराना।
4. गुरू परंपरा में गुरू महिमा का महत्व विशद कराना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम / Course Learning Outcomes

1. छात्र भारतीय साहित्य की भक्ति परंपरा से अवगत होंगे।
2. हिंदी साहित्य की गुरू परंपरा से छात्र परिचित होंगे।
3. संत साहित्य में चित्रित गुरू परंपरा से परिचित होंगे।
4. गुरू परंपरा में गुरू महिमा का महत्व समझेंगे।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया / Teaching Learning Process

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण पद्धति
2. दृक-श्राव्य साधनों माध्यमों का अध्यापन में प्रयोग
3. स्वाध्याय एवं समूह चर्चा

NEP 2020, CBCS PATTERN B. A. III, SEM. 5, Paper- IKS

[Credits: Theory-(02), Practical's-(00)]

Total Theory Lectures-(30), Credit 2

अध्ययनार्थ विषय **Weightage**

इकाई । भक्ति परंपरा **(Credit-1 Lecture-15 Marks- 15)**

1. भक्तिकालीन साहित्यः गुरू परंपरा
2. निर्गुण साहित्यः भक्ति परंपरा
3. सगुण साहित्यः भक्ति परंपरा

इकाई-।। गुरू महिमा **(Credit-1 Lecture-15 Marks- 15)**

1. निर्गुण साहित्यः गुरू महिमा
2. सगुण साहित्यः गुरू महिमा
3. गुरू महिमा की विशेषताएँ

<u>प्रश्न पत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन</u>

(1) बहुविकल्पी 6 प्रश्न (पूरे पाठयक्रम पर)	06 अंक
(2) लघुत्तरी प्रश्न (6 में से 4 (पूरे पाठयक्रम पर)	06 अंक
(3) टिप्पणी केवल 1 (पूरे पाठयक्रम पर)	06 अंक
(4) दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से 1) (पूरे पाठयक्रम पर)	12 अंक
	कुल अंक = 30

संदर्भ-

1. हिंदी साहित्य का इतिहास - आ. रामचंद्र शुक्त
2. हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. नगेंद्र
3. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास - डॉ बच्चन सिंह
4. हिंदी साहित्य की भूमिका - डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी
5. हिंदी साहित्य का सही इतिहास - डॉ. चंद्रभानु सोनवणे
6. हिंदी साहित्य युग और प्रवृत्तियाँ - डॉ. शिवकुमार शर्मा
7. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास - डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त
8. मध्यकालीन कवि और कविता - डॉ. रतन कुमार पांडेय
9. हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. पूरनचंद टंडन
10. हिंदी साहित्य का इतिहास एक पुनरावलोकन- डॉ. ओमप्रकाश शर्मा

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापूर विद्यापीठ ।। विद्यया संपन्नता ।। NAAC Accredited-2022 'B++' Grade (CGPA-2.96)	**PUNYASHLOK AHILYADEVI HOLKAR SOLAPUR UNIVERSITY, SOLAPUR** **पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय, सोलापुर** **B.A.III Hindi Sem-V** **Vertical: FP** **Course Code:** G03-FP-0501 **Course Name: Hindi** **Title of Paper: - क्षेत्र परियोजना**	
Teaching Scheme: **Lectures: 00 Hours, 00 Credits** **OR** **Practical: 30 Hours, 02 Credit**	**With Effect from June - 2026**	**Examination Scheme:** **UA: 20 Marks** **CA: 30 Marks**

सूचनाएँ :-

1) छात्रो को PF (Field Project) किसी एक विषय पर कार्य पूरा कराना है।
2) छात्रों द्वारा किए कार्य का लघु प्रबंध अपने महाविद्यालय को प्रस्तुत करना होगा।
3) क्षेत्र परियोजना के लिए अध्यापक का मार्गदर्शक होना अनिवार्य है।
4) जो छात्र परियोजना कार्य पूरा नहीं करेगा वह इस वर्ष प्रश्नपत्र में अनुत्तीर्ण होगा।

उद्देश्य :-

1) छात्रों को स्थानीय समस्या से परिचित कराना तथा उनके समाधान खोजने पर जोर देना।
2) छात्रों को वास्तविक दुनिया की चुनौतियों से परिचित कराना।
3) छात्रों को व्यावहारिक कुशलता से परिचित कराना।
4) छात्रों को क्षेत्र के भाषिक, साहित्यिक, ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक परिवेश से परिचित कराकर उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनाना।

FP (Field Project) क्षेत्र परियोजना:-

हिंदी विषय में क्षेत्र परियोजना के लिए निम्न विषयों में से किसी एक विषय का चयन कर सकते है:-

1) स्थानीय समाज में हिंदी भाषा की स्थिति का सर्वेक्षण
2) सोशल मीडिया में प्रयुक्त हिंदी भाषा
3) जनसंचार के विभिन्न माध्यम: विज्ञापन और हिंदी
4) हिंदी भाषा और फिल्मी गीतों की लोकप्रियता
5) हिंदी भाषा और टीवी धारावाहिकों का प्रभाव
6) स्थानीय वाणिज्य क्षेत्र में हिंदी भाषा का उपयोग
7) सरकारी कार्यालयों में हिंदी भाषा की स्थिति
8) हिंदी फिल्मों का स्थानीय भाषा और समाज पर प्रभाव
9) हिंदी भाषा और खेलकूद टिप्पणी / रिपोर्टिंग
10) हिंदी भाषा और क्षेत्रीय बोलियों का तुलनात्मक अध्ययन

क्षेत्र परियोजना (Field Project) की नियमावली निम्नानुसार प्रस्तुत है:-

1) छात्रों को अपने व्यवहार्य ज्ञान के अनुसार अपनी अभिरुचि, उपयोगिता और क्षमता के अनुसार अपने कार्यक्षेत्र के किसी एक विषय का चयन करना अनिवार्य है।

2) क्षेत्र परियोजना प्रतिवेदन (रिपोर्ट) कम से कम 2000 से 3000 शब्दों में मुद्रित या हस्तलिखित प्रस्तुत करना आवश्यक है।

3) रिपोर्ट में जहां आवश्यक हो वहां चार्ट, फोटोग्राफ आदि का प्रयोग होना चाहिए।

4) क्षेत्र परियोजना कार्य में छात्रों को नकल से बचना होगा। छात्रों को यह प्रमाणपत्र रिपोर्ट के साथ संलग्नित करना होगा कि प्रस्तुत क्षेत्र परियोजना रिपोर्ट उनका मौलिक कार्य है।

5) **स्वीकृति-** प्रधानाचार्य और शिक्षकगण यह तय करेंगे कि छात्र जिस विषय पर क्षेत्र परियोजना करनेवाला है वह विषय मानक एवं विधिसम्मत है या नहीं।

6) **संभावित विषय क्षेत्र:** सकारात्मक, भाषिक, साहित्यिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक आदि के संदर्भ में सेवा कार्य कर सकेंगे।

7) **अति आवश्यक सूचना:** क्षेत्र परियोजना किसी संस्था, धार्मिक, जातिगत अथवा राजनैतिक रुप से पूर्णत: निरपेक्ष हो, किसी संप्रदाय अथवा विशिष्ट राजनैतिक विचारधारा से अभिप्रेरित न हो, किसी वैधानिक स्तर पर चिन्हित व सत्यापित हो।

8) **क्षेत्र परियोजना में उत्तीर्ण होने के लिए-** CA के लिए 30 अंक में से कम से कम 12 अंक और UA प्रस्तुतीकरण के लिए 20 अंक में से कम से कम 08 अंक प्राप्त करना अनिवार्य हैं। कुल मीलाकर 50 अंको में से 18 अंक प्राप्त करना अनिवार्य हैं।

. मूल्यांकन पद्धति (Evaluation Method)

मूल्यांकन	**CA अंक**	**UA**
उपस्थिति और सहभागिता एवं संस्थान से प्रमाणपत्र /पत्र	10	
परियोजना लेखन	20	10
मौखिक परीक्षा	00	10
कुल 50 अंक	**30**	**20**

बाह्य परीक्षक द्वारा (External Examiner) मूल्यांकन हो।

Punyashlok Ahilyadevi Holkar Solapur University, Solapur

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय, सोलापुर

Name of faculty: Humanities

मानव्य विद्याशाखा

CBCS & NEP - 2020 Syllabus

चयनाधारित श्रेयांक पद्धति एवं

राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 के नुसार पाठ्यक्रम

Name of the Course

Hindi B. A. Part - III Sem. - VI

हिंदी बी. ए. भाग – 3 सत्र - 6

Papers

प्रश्नपत्र

DSC, DSE, Minor, VSC, IKS, OJT

With effect from June 2026

जून 2026 से आरंभ

6.0	Sem.-VI		Theory		Total				
		Major Mandatory	U.A.	C.A.	100	Credit	Lectures		
	DSC-9	आलोचना	60	40	100	4.0	60	4.0	3 Years
	DSC-10	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिककाल)	60	40	100	4.0	60	4.0	
	DSE-6.1 **or** DSE-6.2	व्यावहारिक हिंदी **अथवा** विशेष रचनाकार- काशीनाथ सिंह	60	40	100	4.0	60	4.0	
	Minor-6	हिंदी उपन्यास (स्त्री विमर्श) एवं व्याकरण	60	40	100	4.0	60	4.0	
	VSC-	हिंदी भाषा कंप्यूटिंग	30	20	50	2.0	30	2.0	
	OJT	कार्यस्थल प्रशिक्षण	60	40	100	4.0	60	4.0	
		Total			**550**	**22.0**	**330**	**22.0**	

	Punyashlok Ahilyadevi Holkar Solapur University, Solapur **B. A. III (Hindi), Semester - VI** **Vertical: DSC-9** **Course Code:** G03-DSC1-0605 Hindi-IX **Course Name: Hindi** **Title of Paper: आलोचना**

*Teaching Scheme Lectures: 60 Hours, 04 Credits OR Practical: 00 Hours, 00 Credit	With effect from June – 2026	*Examination Scheme UA:- 60 Marks CA:- 40 Marks

प्रस्तावना : (Preamble)

साहित्य सृजन एक प्रतिभा है। गद्य एवं पद्य की विभिन्न विधाओं का सृजन साहित्यकार अपनी अनुभूति पर करता है। समाज को आदर्शवादी सोच एवं दिशा निर्देशन का उत्तरदायित्व करना साहित्य का आद्य कर्तव्य समझना अतिशयोक्ति नहीं है। उसी तरह प्रकाशित साहित्य की आलोचना भी महत्वपूर्ण होती है। आलोचना एवं समीक्षा साहित्य की कसौटी के समान ही है। साहित्य में प्रयुक्त भाव पक्ष एवं कला पक्ष की समीक्षा अनिवार्य होती है। साथ ही किसी भी रचना को पढ़ने के पश्चात रसास्वाद की आवश्यकता अधिक होती है। रचना रसास्वाद से युक्त हो तो पाठकों में उत्साह निर्माण होता है। इसी दृष्टि से साहित्य के उपादानों का प्रयोग तथा साहित्य में उतरे गुणों को परखना महत्वपूर्ण होता है, जिससे साहित्य के मर्म तथा मूल्यों को परखा जाता है। अतः इन्हें परखने के लिए समालोचना की आवश्यकता होती है। समालोचना लेखक और पाठक दोनों के लिए आवश्यक होती है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य : (Objective of the Course)

1. छात्रों को आलोचना क स्वरुप, प्रकार और आलोचना पद्धतियां समझाना।
2. छात्रों को साहित्य के उपकरण समझाना।
3. छात्रों को रसानुभूति की प्रक्रिया समझाना।
4. छात्रों को साहित्य के विभिन्न विमर्श समझाना।
5. साहित्य के मूल्य और गुणों से अवगत कराना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम : (Course Learning Outcomes)

1. छात्र आलोचना क स्वरुप, प्रकार और आलोचना पद्धतियां समझेंगे।
2. छात्रों साहित्य के उपकरण समझेंगे।
3. छात्रों में रसानुभूति की प्रक्रिया वृद्धिगत होगी।
4. छात्र साहित्य के विभिन्न विमर्श से अवगत होंगे।
5. साहित्य के मूल्य और गुणों से अवगत होंगे।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया : (Teaching Learning Process)

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा
3. गृह स्वाध्याय

NEP 2020, CBCS PATTERN B. A. III SEM. VI

PEPER NO. DSC- 9

आलोचना

[Credits: Theory - (04), Practical's - (00)]

Total Theory Lectures - (60), Credit 4

अध्ययनार्थ विषय **Weightage**

इकाई - 1: साहित्य के उपकरणः सामान्य परिचय (Lectures 15,Credit 1, Marks 15)

1. बिंब विधान
2. मिथक
3. प्रतीक
4. फंतासी का सामान्य परिचय

इकाई – 2: आलोचना (Lectures 15,Credit 1, Marks 15)

1. आलोचना की परिभाषा : स्वरूप,
2. आलोचक के गुण
3. आलोचना के प्रकार: व्याख्यात्मक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, मार्क्सवादी
4. प्रतिनिधि आलोचकः

इकाई – 3: रस (Lectures 15,Credit 1, Marks 15)

1. रस की परिभाषा
2. रस के अंगों का सामान्य परिचय
3. रस के भेद - श्रृंगार, वीर, करूण, अद्‌भुत, भयानक, रौद्र ,बीभत्स, हास्य, शांत, रस का सोदारण परिचय
4. छंद: अ. मात्रिक छंद : दोहा, सोरठा, रोला
   आ. वर्णिक छंद: वसंततिलका, इंद्रवजा, मंदाक्रांता

इकाई - 4: विभिन्न विमर्श (Lectures 15,Credit 1, Marks 15)

1. आदिवासी विमर्श
2. किन्नर विमर्श
3. किसान विमर्श
4. अल्पसंख्यांक विमर्श

प्रश्न पत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

1. बहुविकल्पी 12 प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	12 अंक
2. लघुत्तरी प्रश्न (6 में से 4) (पूरे पाठ्यक्रम पर)	12 अंक
3. टिप्पणियाँ (4 में से 2) (पूरे पाठ्यक्रम पर)	12 अंक
4. दीर्घोतरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) (पूरे पाठ्यक्रम पर)	12 अंक
5. दीर्घोत्तरी 01 प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	12 अंक
	कुल अंक 60

Equivalent Subject for old Syllabus

Sr. No.	Name of the old paper Sem. VI CBCS	Name of the paper Sem. VI NEP 2020
01	**आलोचना**	**आलोचना**

संदर्भ-

1. काव्यशास्त्र- भगीरथ मिश्र
2. शास्त्रीय समीक्षा के सिद्धांत- डॉ. गोविंद त्रिगुणायत
3. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत- डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त
4. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य की रूपरेखा- डॉ. तेजपाल चौधरी
5. साहित्यशास्त्र- डॉ. चंद्रभानु सोनवणे
6. साहित्यशास्त्र- डॉ. संजय नवले
7. साहित्य विवेचन- सुमन मलिक
8. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र- डॉ. ज्ञानराज गायकवाड
9. भारतीय साहित्यशात्र- डॉ. विठठल भालेराव
10. सौंदर्यशास्त्र के तत्व- कुमार विमल
11. साहित्यिक विमर्श- डॉ.रविंद्रकुमार शिरसाट
12. काव्यशास्त्र: विविध आयाम- सं. मधु खराटे
13. आलोचना के आधारस्तंभ- रामेश्वरलाल खंडेलवाल
14. साहित्यिक निबंध- सं. शांतिस्वरूप गुप्ता
15. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र- देशराजसिंह भाटी

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापूर विद्यापीठ ।। विद्यया संपन्नता ।। NAAC Accredited-2022 'B++' Grade (CGPA-2.96)	**PUNYASHLOK AHILYADEVI HOLKAR SOLAPUR UNIVERSITY, SOLAPUR** **पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय, सोलापुर** **B.A. Hindi Sem-VI** **Vertical: DSC- 10** **Course Code:** G03-DSC1-0606 Hindi-X **Course Name: Hindi** **Title of Paper: - हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल सन 1900 ई. से सन 2020 ई. तक)**	
Teaching Scheme: Lectures: 60 Hours, 04 Credits OR Practical: 00 Hours, 00 Credit	With Effect from June - 2026	Examination Scheme: UA: 60 Marks CA: 40 Marks

प्रस्तावना: (Introduction)

हिंदी साहित्य का आधुनिक काल कई अर्थों में आधुनिक है। ब्रिटिशों का आगमन भारतीयों के लिए नई दुनिया से संपर्क का माध्यम सिद्ध हुआ। ब्रिटिशों के दौर में ही भारत में औद्योगिक क्रांति हुई। परंपरागत भारतीय व्यवसायों में मशीनों का प्रवेश हुआ। शिक्षा व्यवस्था में भी क्रांतिकारी परिवर्तन हुए और यहाँ स्कूल, कॉलेज, युनिवर्सिटी की शिक्षा व्यवस्था आयी। ब्रिटिशों का आगमन भारतीय समाज व्यवस्था में तेजी से परिवर्तन का कारक बना। भारत का पढा-लिखा तबका बौद्धिकता के बल पर तर्क-वितर्क करने लगा और विसंगतियों को अभिव्यक्त करने लगा। इसमें साहित्यकार सबसे आगे था। इसी दौर में साहित्य की कईं विधाओं का अविर्भाव हुआ । सर्वहारा की बात साहित्य में होने लगी । समानता, स्वतंत्रता, राष्ट्रीयता, भाईचारा जैसी चीजें साहित्य में आने लगी। बीसवीं सदी के पूर्वार्ध में ब्रिटिशों की गुलामी से देश को स्वतंत्रता मिले, इसलिए कईं आंदोलन चले। कालांतर में देश स्वतंत्र हुआ। लोकतंत्र की प्रतिष्ठा हुई और नया भारत निर्माण हुआ। नए भारत में विभिन्न विमर्श उभर कर आए, जिसका माध्यम साहित्य रहा है। इस सबसे छात्रों को यह पाठ्यक्रम अवगत कराएगा।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य: (Objective of the Course)

1. आधुनिक काल की अवधारणा से अवगत कराना।
2. आधुनिक काल में विकसित साहित्य की विभिन्न विधाओं का परिचय कराना।
3. आधुनिक काल के विभिन्न विचारधाराओं के साहित्य पर पडे प्रभाव से अवगत कराना।
4. भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन और हिंदी साहित्य का अंतर्संबंध का बोध कराना।
5. साहित्य अकादमी पुरस्कृत रचनाकारों की लेखकीय प्रतिबद्धता का परिचय कराना।
6. अस्मितामूलक साहित्य से परिचित करना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम : (Learning Outcomes)

1. आधुनिक काल की अवधारणा स्पष्ट हो जाएगी।
2. आधुनिक काल की विभिन्न साहित्य विधाओं का आकलन हो जाएगा।
3. आधुनिक काल के विभिन्न वादों का परिचय हो जाएगा।
4. आधुनिक काल के विभिन्न साहित्य आंदोलनों का परिचय हो जाएगा।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया: (Teaching Learning Process)

1. कक्षा व्याख्यान
2. गुट चर्चा
3. सेमिनार
4. शैक्षिक यात्रा
5. ऑडियो-वीडियो सामग्री प्रयोग

NEP 2020, CBCS PATTERN B. A. III SEM. V PEPER NO. DSC- 10

[Credits: Theory-(04), Practical's-(00)]

Total Theory Lectures-(60), Credit 4

अध्ययनार्थ विषय **Weightage**

इकाई- 1: आधुनिक काल (Lectures 15, Credit 1, Marks 15)

1) आधुनिक काल: राजनीतिक एवं सामाजिक परिस्थितियाँ
2) भारतेंदु युग की विशेषताएँ
3) द्विवेदी युग की विशेषताएँ

इकाई- 2: आधुनिक काल की काव्यधाराएँ (Lectures 15, Credit 1, Marks 15)

1) छायावाद की विशेषताएँ
2) प्रगतिवाद की विशेषताएँ
3) प्रयोगवाद की विशेषताएँ

इकाई- 3: आधुनिक गद्य विधाओं का उद्भव और विकास (Lectures 15, Credit 1, Marks 15)

1) उपन्यास
2) कहानी
3) नाटक

इकाई- 4: साहित्य अकादमी पुरस्कृत प्रतिनिधि रचनाकार (Lectures 15, Credit 1, Marks 15)

1) कमलेश्वर
2) उदय प्रकाश
3) अलका सरावगी
4) अनामिका

प्रश्न पत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

1. बहुविकल्पी 12 प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	12 अंक
2. लघुत्तरी प्रश्न (6 में से 4) (पूरे पाठ्यक्रम पर)	12 अंक
3. टिप्पणियाँ (4 में से 2) (पूरे पाठ्यक्रम पर)	12 अंक
4. दीर्घोतरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) (पूरे पाठ्यक्रम पर)	12 अंक
5. दीर्घोत्तरी 01 प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	12 अंक
	कुल अंक 60

Equivalent Subject for old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper Sem – VI	Name of the New Paper Sem – VI
1.	CBCS आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास (सन 1900 से सन 2010 तक)	NEP 2020आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास (सन 1900 से सन 2020 तक)

संदर्भ-

1. हिंदी साहित्य का इतिहास- डॉ. नगेंद्र
2. भारतेंदु और हिंदी नवजागरण की समस्याएँ- रामविलास शर्मा
3. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण- रामविलास शर्मा
4. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास- रामस्वरूप चतुर्वेदी
5. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ- नामवर सिंह
6. हिंदी का गद्य साहित्य- रामचंद्र तिवारी
7. छायावादोत्तर हिंदी गद्य साहित्य- विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
8. आधुनिक साहित्य– आचार्य नंददुलारे वाजपेयी
9. https://youtu.be/7y7D6iVBoTw
10. https://youtu.be/X3ZeeCsIYGM
11. https://youtu.be/VeVGP2IJRnO
12. https://www.youtube.com/watch?v=0eW67ZkG8ZI

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापूर विद्यापीठ ।। विद्यया संपन्नता ।। NAAC Accredited-2022 'B++' Grade (CGPA-2.96)	**PUNYASHLOK AHILYADEVI HOLKAR SOLAPUR UNIVERSITY, SOLAPUR** **पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय, सोलापुर** **B.A.III Hindi Sem-VI** **Vertical: DSE-6.1** **Course Code –** G03-DSE-0603 Hindi **Course Name – HINDI** **Title of Paper – व्यावहारिक हिंदी**	
Teaching Scheme: Lectures: 60 Hours, 04 Credits OR Practical: 00 Hours, 00 Credit	With Effect from June - 2026	Examination Scheme: UA: 60 Marks CA: 40 Marks

प्रस्तावना/ Preamble

व्यवहारिक हिंदी को प्रयोजनमूलक हिंदी प्रकार्यात्मक हिंदी व्यावसायिक हिंदी तथा कामगाजी हिंदी आदि नामों से भी जाना जाता है। व्यवहारिक हिंदी के लिए अंग्रेजी में Practical Hindi का प्रयोग किया जाता है। प्रयोजनमूलक हिंदी के लिए Functional Hindi या Applied Hindi का प्रयोग प्रचलन में है। व्यवहारिक हिंदी एवं प्रयोजनमूलक हिंदी को एक मान लेना कुछ हद तक प्रासंगिक भी लगता है क्योंकि एक और भाषा बोलचाल, संपर्क, सामाजिक व्यवहार के लिए प्रयुक्त की जाती है तो दूसरी और कामकाज के लिए भी प्रयुक्त की जाती है। व्यवहारिक हिंदी का बैंक, दूरदर्शन, सरकारी कार्यालय, रेल, मीडिया, फिल्म, इंटरनेट, विज्ञापन आदि क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर प्रयोग किया जाता बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने भी हिंदी की माता को स्वीकार कर उसके माध्यम से अपना व्यवहार शुरू किया है। सभी स्थानों पर अब हिंदी भाषा का प्रयोग बड़ी मात्रा में किया जा रहा है। हिंदी भाषा ने अनुवाद के माध्यम से एक दृष्टि से भारतवर्ष को जोड़ने हेतु सेतु का काम किया है तो दूसरी ओर वैश्विक संदर्भ ज्ञान, विज्ञान और तकनीकी को अपनाकर स्वयं को उसके अनुकूल बनाया है। हिंदी भाषा के इस रूप में रोजगार के कई अवसर उपलब्ध है। अतः व्यवहारिक हिंदी के इस रूप को जानकार अपनाकर आज के युवक सहजता से रोजगार पा सकते हैं। इसीकारण हिंदी के इस रूप को जानना अनिवार्य लगता है।

पाठ्यक्रम का उद्देश्य/ Objective Of The Course

1. अनुवाद के स्वरूप और महत्व को अवगत कराना।
2. विज्ञापन की दुनिया और व्यवहार से परिचित कराना।
3. अनुवाद और विज्ञापन लेखन की क्षमता को विकसित करना।
4. वाणिज्यिक पत्राचार से छात्रों को अवगत कराना।
5. दैनिक व्यवहार में प्रयुक्त प्रयोजनमूलक हिंदी के प्रयोग से अवगत कराना।
6. व्यवहारिक हिंदी भाषा के माध्यम से रोजगार पर कौशल को विकसित करना।
7. व्यवहारिक हिंदी के विविध रूप से अवगत कराना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम/ Course Outcome

1. छात्र, अनुवाद के महत्व और स्वरूप से परिचित हो जाएँगे।
2. छात्र, अनुवाद और विज्ञापन लेखन की क्षमता से परिचित हो जाएँगे।
3. छात्र, दैनिक व्यवहार में व्यवहारिक हिंदी भाषा का प्रयोग करकरने के लिए सक्षम हो जाएँगे।
4. छात्रों में रोजगार पर हिंदी भाषा का कौशल निर्माण हो जाएगा।
5. छात्रों को विविध क्षेत्रों में संस्था से रोजगार प्राप्त हो जाएगा।
6. छात्र, वाणिज्यिक पत्राचार के स्वरूप एवं लेखन प्रक्रिया से परिचित हो जाएँगे।
7. छात्र, व्यवहारिक हिंदी के विविध रूप से परिचित हो जाएँगे।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया/ Teaching learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा
3. गृह स्वाध्याय
4. व्यवहारिक हिंदी के प्रयोग क्षेत्रों को भेंट

NEP 2020, CBCS PATTERN (NEW NEP) B.A.III, Sem-VI
Paper- DSE 6.1
(Credits: Theory – (04), Practicals – (00))
Total Theory Lectures – (60), Credit – (04)

अध्ययनार्थ विषय **Weightage**

इकाई – 1 व्यवहारिक हिंदी : स्वरूप एवं प्रयोग (Credit – 1, Lecture 15, Marks – 15)

1. व्यावहारिक हिंदी परिभाषा एवं स्वरूप
2. व्यावहारिक हिंदी के क्षेत्र
3. व्यावहारिक हिंदीः मुद्रित माध्यमों का परिचय

इकाई -2. अनुवाद: स्वरूप और भेद (Credit- 1, Lecture-15, Marks - 15)

1. अनुवाद : अर्थ, परिभाषा और स्वरूप
2. अनुवाद के प्रकार (प्रकृति के आधार पर)
   शब्दानुवाद, भावानुवाद छायानुवाद सरानुवाद, आशु अनुवाद
3. अनुवादक के गुण

इकाई – 3. विज्ञापन : लेखन एवं स्वरूप (Credit -1, Lecture -15, Marks – 15)

1. विज्ञापन: अर्थ परिभाषा एवं स्वरूप
2. विज्ञापन लेखन के तत्व
3. विज्ञापन की भाषा और उसकी विशेषताएँ

इकाई – 4. वाणिज्य विषयक पत्राचार (Credit – 1, Lecture 15, Marks – 15)

1. वाणिज्यिक पत्र का स्वरूप
2. वाणिज्यिक पत्र के प्रमुख अंग
3. वाणिज्यिक पत्र के प्रकार- पूछताछ पत्र एवं क्रयादेश पत्र

प्रश्न पत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

1. बहुविकल्पी 12 प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	12 अंक
2. लघुत्तरी प्रश्न (6 में से 4) (पूरे पाठ्यक्रम पर)	12 अंक
3. टिप्पणियाँ (4 में से 2) (पूरे पाठ्यक्रम पर)	12 अंक
4. दीर्घोतरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) (पूरे पाठ्यक्रम पर)	12 अंक
5. दीर्घोत्तरी 01 प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	12 अंक
	कुल अंक 60

Equivalent subject for old syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper Sem – V (CBCS)	Name of the New Paper Sem – V (NEP-2020)
1.	संगणकीय हिंदी	व्यवहारिक हिंदी

संदर्भ–

1. प्रयोजनमूलक हिंदी अधुनातन आयाम- डॉ. अंबादास देशमुख
2. प्रयोजनमूलक हिंदी के आधुनिक आयाम- डॉ महेंद्रसिंह राणा
3. हिंदी के अध्यतन अनुप्रयोग- डॉ. माधव सोनटक्के
4. अनुवाद चिंतन- डॉ अर्जुन चव्हाण
5. प्रयोजनमूलक हिंदी- डॉ लक्ष्मीकांत पाण्डेय, डॉ. प्रमिला अवस्थी
6. प्रयोजनमूलक हिंदी- डॉ. विनोद गोदरे
7. प्रशासन में राजभाषा हिंदी- डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया
8. प्रयोजनमूलक हिंदी: सिद्धांत और प्रयोग- डॉ. दंगल झाल्टे
9. प्रयोजनमूलक हिंदी स्वरूप एवं व्याप्ति- डॉ. तेजपाल चौधरी
10. प्रयोजनमूलक तथा व्यावहारिक हिंदी- डॉ. सुकुमार भंडारे
11. व्यावहारिक हिंदी और रचना- डॉ. कृष्णकुमार गोस्वामी
12. प्रयोजन तथा व्यवहारिक हिंदी- डॉ. अंबादास देशमुख
13. हिंदी के प्रयोजनमूलक भाषा रूप- डॉ. माधव सोनटक्के
14. व्यावहारिक पत्र लेखन- डॉ. के.पी. शहा
15. मीडिया लेखन: सिद्धांत और व्यवहार- डॉ. चंद्रप्रकाश मिश्र

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापूर विद्यापीठ ॥ विद्यया संपन्नता ॥ NAAC Accredited-2022 'B++' Grade (CGPA-2.96)	**PUNYASHLOK AHILYADEVI HOLKAR SOLAPUR UNIVERSITY, SOLAPUR** **पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय, सोलापुर** **B.A – III Hindi Sem-VI** **Vertical: DSE – 6.2** **Course Code –** G03-DSE-0603 Hindi **Course Name – HINDI** **Title of Paper – विशेष लेखकः काशीनाथ सिंह**	
Teaching Scheme: Lectures: 60 Hours, 04 Credits OR Practical: 00 Hours, 00 Credit	With Effect from June - 2026	Examination Scheme: UA: 60 Marks CA: 40 Marks

प्रस्तावनाः (Introduction)

काशीनाथ सिंह समकालीन कथा-साहित्य के एक चर्चित रचनाकार हैं। उनके उपन्यासों में आधुनिक मूल्य उजागर हुए हैं। आधुनिक युग में देश में जो परिवर्तन आए हैं उन्हें आपकी रचनाओं में भलीभांति देख सकते हैं। लेखन की उत्कृष्टता, परिवेश की जटिलता और मानवीय सामाजिक और सांस्कृतिक विशिष्टता को दर्शानेवाली आपकी रचनाएँ सही अर्थों में हिंदी साहित्य की धरोहर हैं। साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित उनका रेहन पर रग्घू उपन्यास इस दृष्टि से उल्लेखनीय है। यह उपन्यास भूमंडलीकरण के तहत संवेदना, संबंध और सामूहिकता की दुनिया में हुआ निर्मम ध्वंस और परिवर्तन को रेखांकित करता है। यह उपन्यास वर्तमान मानव समाज की त्रासदी को प्रस्तुत करता है। इसमें एक और उपभोक्तावाद की क्रूरताओं का खंडन है तो दूसरी और शोषितों की अस्मिता को जगाने का प्रयास भी है। काशीनाथ सिंह का लेखन भूमंडलीकरण के बाद बन रहे भारतीय समाज की प्रमाणिकता से पड़ताल करता है।

पाठ्यक्रम का उद्देश्य: (Objective of the Course)

1. काशीनाथ सिंह के उपन्यास संसार का परिचय कराना।
2. छात्रों में उपन्यास विधा के प्रति अभिरुचि और समीक्षा दृष्टि विकसित कराना।
3. छात्रों में राष्ट्रीय, सामाजिक एवं मानवीय दृष्टिकोण एवं दायित्व विकसित कराना।
4. 'रेहन पर रग्घू' उपन्यास का तात्विक अध्ययन कराना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम: (Learning Outcomes)

1. काशीनाथ सिंह के उपन्यास संसार से परिचित होंगे।
2. छात्रों में उपन्यास विधा के प्रति अभिरुचि और समीक्षा दृष्टि विकसित होगी।
3. छात्रों में राष्ट्रीय, सामाजिक एवं मानवीय दृष्टिकोण एवं दायित्व विकसित होगा।
4. रेहन पर रग्घू उपन्यास का तात्विक अध्ययन करेंगे।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया: (Teaching Learning Process)

1. कक्षा व्याख्यान
2. गूट चर्चा
3. उपन्यास का मंथन

NEP 2020, CBCS PATTERN (NEW NEP) B.A.III, Sem-VI
Paper- DSE 6.2
(Credits: Theory – (04), Practicals – (00))
Total Theory Lectures – (60), Credit – (04)

पाठ्यपुस्तकः रेहन पर रग्घू (उपन्यास) काशीनाथ सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ल्ली

अध्ययनार्थ विषय **WEIGHTAGE**

इकाई- 1: उपन्यासकार काशीनाथ सिंह **(Lectures 15, Credit 1, Marks 15)**

1. उपन्यासकार काशिनाथ सिंह
2. काशीनाथ सिंह के उपन्यासों की विशेषताएँ
3. समकालीन उपन्यासकारों में काशीनाथ सिंह का स्थान

इकाई- 2: रेहन पर रग्घू **(Lectures 15, Credit 1, Marks 15)**

1. उपन्यास की कथावस्तु
2. उपन्यास के पात्र और चरित्र चित्रण
3. उपन्यास में संवाद

इकाई- 3: रेहन पर रग्घू **(Lectures 15, Credit 1, Marks 15)**

1. उपन्यास में देशकाल तथा वातावरण
2. उपन्यास की भाषा शैली
3. उपन्यास का उद्देश्य

इकाई-4: रेहन पर रग्घू **(Lectures 15, Credit 1, Marks 15)**

1. उपन्यास के शीर्षक की सार्थकता
2. उपन्यास में चित्रित समस्याएँ
3. उपन्यास की प्रासंगिकता

प्रश्न पत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

1. बहुविकल्पी 12 प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	12 अंक
2. लघुत्तरी प्रश्न (6 में से 4) (पूरे पाठ्यक्रम पर)	12 अंक
3. टिप्पणियाँ (4 में से 2) (पूरे पाठ्यक्रम पर)	12 अंक
4. दीर्घोतरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) (पूरे पाठ्यक्रम पर)	12 अंक
5. दीर्घोत्तरी 01 प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	12 अंक
	कुल अंक 60

Equivalent subject for old syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper Sem – V (CBCS)	Name of the New Paper Sem – V (NEP-2020)
1.	विशेष लेखक – काशीनाथ सिंह	विशेष लेखक – काशीनाथ सिंह

संदर्भ-

1. काशीनाथ सिंह का चिंतन और साहित्य- ऋचा श्रीवास्तव
2. कहानी नई कहानी- नामवर सिंह
3. काशी के नाम- नामवर सिंह
4. बातें हैं बातों का क्या- संपा. पल्लव
5. हंसा करो पुरातन बात- संपा. शशिकुमार सिंह
6. 'साठ के काशी और काशी का साठः कहन पत्रिका का विशेषांक- संपा. मनीष दुबे (पुस्तक रूप में कासी पर कहन)
7. बनास जन का विशेषांक 'गल्पेतर गल्प का ठाठ 'काशी का अस्सी पर केंद्रित 2010
   (संपा. पल्लव, पुस्तक रूप में 'अस्सी का काशीः गल्पेतर गल्प का ठाठ', साहित्य भंडार, चाहचंद रोड, इलाहाबाद से)
8. संबोधन का विशेषांक- संपा. कमर मेवाड़ी (अक्टूबर 2012 जनवरी 2013)
9. http://gadyakosh.org
10. https://www.youtube.com/watch?v=Y2LRmQ8G4KI

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापूर विद्यापीठ ।। विद्यया संपन्नता ।। NAAC Accredited-2022 'B++' Grade (CGPA-2.96)	**PUNYASHLOK AHILYADEVI HOLKAR SOLAPUR UNIVERSITY, SOLAPUR** **B.A – III Hindi Sem-VI** **Vertical: Minor -6** **Course Code –** G03-DSC2-0603 Hindi-VI **Course Name – HINDI** **Title of Paper – हिंदी उपन्यास (स्त्री विमर्श) एवं व्याकरण**	
Teaching Scheme: Lectures: 60 Hours, 04 Credits OR Practical: 00 Hours, 00 Credit	With Effect from June - 2026	Examination Scheme: UA: 60 Marks CA: 40 Marks

प्रस्तावना/Preamble:-

हिंदी उपन्यास साहित्य आधुनिक युग की एक प्रमुख गद्य विधा है। उपन्यास केवल मनोरजन का माध्यम नहीं बल्कि समाज का दर्पण होता है, जो सामाजिक, राजनीतिक, ऐतिहासिक और मनोवैज्ञानिक पहलुओं को उजागर करता हैा हिंदी उपपन्यास की प्रमुख प्रवृत्तियाँ सामाजिक यथार्थवाद, मनोवैज्ञानिक गहराई, आँचलिकता, स्त्री विमर्श और प्रयोगवाद पर आधारित है हिंदी उपन्यास परंपरा में प्रेमचंद का महत्वपूर्ण योगदान है उन्होंने उपन्यास को एक नई दिशा प्रदान की तथा युग प्रवर्तक का कार्य किया। स्वतंत्रता के पश्चात हिंदी गद्य विधा में महिला लेखन बहुत तेजी से बढ़ा। मन्नू भंडारी, कृष्णा सोबती, उषा प्रियंवदा, प्रभा खेतान, नासिरा शर्मा, निर्मला पुतुल, मैत्रेयी पुष्पा, मृदुला गर्ग, सूर्यबाला आदि लेखिकाओं ने अपनी लेखनी से न केवल नारी संवेदनाओं को नई परिभाषा दी बल्कि सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक स्त्री विमर्श आदि क्षेत्रों में खुलकर लेखन लिखा। उषा प्रियंवदा का "रुकोगी नहीं राधिका" उपन्यास में अस्मिता की तलाश करनेवाली नारी को अंकित किया गया है। प्रस्तुत उपन्यास में आधुनिक नारी की जटिल मानसिकता, भटकाव, पीड़ा, विद्रोह आदि का चित्रण हुआ है।

पाठ्यक्रम का उद्देश्य / Course Objective :-

1. उषा प्रियंवदा के उपन्यास संसार का परिचय कराना।
2. छात्रों में उपन्यास विधा के प्रति अभिरुचि और समीक्षा दृष्टि विकसित कराना।
3. छात्रों में राष्ट्रीय, सामाजिक एवं मानवीय दृष्टिकोण तथा दायित्व विकसित कराना।
4. 'रुकोगी नहीं राधिका' उपन्यास की कथा का तात्विक अध्ययन कराना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम / Course Outcomes :-

1. उषा प्रियंवदा के उपन्यास संसार से परिचित होगे।
2. छात्रों में उपन्यास विधा के प्रति अभिरुचि और समीक्षा दृष्टि विकसित होगी।
3. छात्रों में राष्ट्रीय, सामाजिक एवं मानवीय दृष्टिकोण विकसित होगा।
4. छात्र 'रुकोगी नहीं राधिका' उपन्यास का विश्लेषणात्मक अध्ययन होगा।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया / Teaching Learning Process :-

1. कक्षा व्याख्यान।
2. गृह स्वाध्याय।
3. सामूहिक चर्चा।

NEP 2020, CBCS PATTERN (NEW NEP) B.A.III, Sem-VI
Paper- MINOR-6
(Credits: Theory – (04), Practicals – (00))
Total Theory Lectures – (60), Credit – (04)

अध्ययनार्थ पाठ्यपुस्तक –

1. रुकोगी नहीं राधिका – उषा प्रियंवदा, राजकमल प्रकाशन, 1 – B नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली – 110002

अध्ययनार्थ विषय **Weightage**

इकाई- I: साहित्यकार उषा प्रियंवदा **(Credit 1,Lectures–15 Marks-15)**

1. उषा प्रियंवदा का जीवन परिचय एवं साहित्य संसार
2. स्त्री विमर्श के संदर्भ में उषा प्रियंवदा के उपन्यास ।
3. उपन्यासकार उषा प्रियंवदा।

इकाई - II: रुकोगी नहीं राधिका (उपन्यास) – उषा प्रियंवदा (Credit 1,Lectures–15 Marks-15)

1. उपन्यास की कथावस्तु (स्त्री विमर्श के संदर्भ में)
2. उपन्यास का पात्र परिचय
3. उपन्यास की संवाद योजना

इकाई - III: रुकोगी नहीं राधिका (उपन्यास)–उषा प्रियंवदा (Credit 1,Lectures–15 Marks-15)

1. उपन्यास का देशकाल वातावरण
2. उपन्यास का उददे्श्य
3. उपन्यास के शीर्षक की सार्थकता

इकाई - IV: व्याकरण **(Credit 1, Lectures – 15 Marks – 15)**

1. क्रिया के भेद (कर्म के आधार पर)
2. विशेषण के भेद
3. शब्द रचना के भेद (प्रयोग के आधार पर)
   अ. सार्थक शब्द, आ. निरर्थक शब्द

प्रश्न पत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

1. बहुविकल्पी 12 प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	12 अंक
2. लघुत्तरी प्रश्न (6 में से 4) (पूरे पाठ्यक्रम पर)	12 अंक
3. टिप्पणियाँ (4 में से 2) (पूरे पाठ्यक्रम पर)	12 अंक
4. दीर्घोतरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) (पूरे पाठ्यक्रम पर)	12 अंक
5. दीर्घोत्तरी 01 प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	12 अंक
	कुल अंक 60

संदर्भ-

1. समकालीन लेखिकाओं के उपन्यासों में स्त्री विमर्श– बॅ. महेंद्र रघुवंशी
2. नारी विमर्श की नई दिशाएँ– डॉ. रेणुका मोरे
3. हिंदी साहित्य: नव विमर्श– जशवंतभाई जी पंड्या
4. हिंदी व्याकरण– कामताप्रसाद गुरु
5. उपयोगी हिंदी व्याकरण– डॉ. ज्ञानराज काशीनाथ गायकवाड 'राजवंश'
6. आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना– डॉ. वासुदेवनंदन प्रसाद

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापूर विद्यापीठ ।। विद्यया संपन्नता ।। NAAC Accredited-2022 'B++' Grade (CGPA-2.96)	**Punyashlok Ahilyadevi Holkar Solapur University, Solapur** **B. A. III (Hindi), Semester - 6** Vertical : VSC Course Code: G03-VSC-0603 Course Name: Hindi Title of Paper: **भाषा कंप्यूटिंग (Hindi Language Computing)**

*Teaching Scheme Lectures: 30 Hours, 02 Credits OR Practical: 00 Hours, 00 Credit	With effect from June - 2026	*Examination Scheme UA:- 30 Marks CA:- 20 Marks

भूमिका (Introduction)

भाषा कंप्यूटिंग का अर्थ है—मानव भाषा (विशेषकर हिंदी) को कंप्यूटर व डिजिटल तकनीक के माध्यम से उपयोग, प्रसंस्करण और विकास की दिशा में तैयार करना। आज कंप्यूटर,मोबाइल, इंटरनेट, ई-गवर्नेंस, सोशल मीडिया और वेबसाइट निर्माण में हिंदी भाषा की भूमिका लगातार बढ़ रही है।देवनागरी लिपि का यूनिकोड मानकीकरण, ई-लर्निंग, ऑनलाइन पत्र-पत्रिकाएँ, हिंदी टाइपिंग टूल, राजभाषा कार्य, न्यू मीडिया—ये सभी भाषा कंप्यूटिंग के प्रमुख क्षेत्र हैं। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को हिंदी भाषा की तकनीकी समझ, कंप्यूटर-अनुकूल प्रक्रिया और डिजिटल उपयोग से परिचित कराना है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

1. हिंदी भाषा के कंप्यूटरीय विकास और इतिहास को समझ सकें।
2. हिंदी के फॉन्ट, यूनिकोड और देवनागरी के डिजिटल स्वरूप को जान सकें।
3. इंटरनेट, वेबसाइट, ई-लर्निंग और ई-गवर्नेंस में हिंदी के उपयोग को समझ सकें।
4. कंप्यूटर, न्यू मीडिया और डिजिटल तकनीक से हिंदी के प्रसार और चुनौतियों का विश्लेषण कर सकें।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम (Course Learning Outcomes)

1. हिंदी कंप्यूटिंग के विकास-क्रम, इतिहास, तथा कंप्यूटर में हिंदी के आरंभ को स्पष्ट कर सकेंगे।
2. हिंदी के विभिन्न फॉन्ट, यूनिकोड, देवनागरी लिपि तथा डिजिटल लेखन प्रणालियों की पहचान कर सकेंगे।
3. इंटरनेट, वेबसाइट निर्माण, ई-लर्निंग, ई-गवर्नेंस और ऑनलाइन हिंदी के प्रयोग को समझ और उपयोग कर सकेंगे।
4. कंप्यूटर, राजभाषा कार्य, न्यू मीडिया, ऑनलाइन पत्रकारिता और डिजिटल हिंदी की चुनौतियों व संभावनाओं का विश्लेषण कर सकेंगे।

NEP 2020, CBCS PATTERN (NEW NEP) B.A.III, Sem-VI
Paper- VSC
(Credits: Theory – (02), Practicals – (00))
Total Theory Lectures – (30), Credit – (02)

इकाई - 1 कंप्यूटर का विकास और हिंदी भाषा Credit 1, Lectures-15 Marks - 15

1. कप्यूटिंग में हिंदी का आरंभ एवं विकास
2. हिंदी में विविध फॉन्ट, यूनिकोड, देवनागरी लिपि और हिंदी भाषा
3. कप्यूटर के क्षेत्र में हिंदी की चुनौतियाँ और समानताएँ

इकाई – 2 हिंदी भाषा, कंप्यूटर और गवर्नेंस Credit 1, Lectures-15 Marks - 15

1. हिंदी भाषा शिक्षण और ई- लर्निंग
2. न्यू मीडिया और हिंदी भाषा
3. हिंदी पत्र पत्रिकाएं इन्टरनेट पर

<u>प्रश्न पत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन</u>

(5) बहुविकल्पी 6 प्रश्न (पूरे पाठयक्रम पर)	06 अंक
(6) लघुत्तरी प्रश्न (6 में से 4 (पूरे पाठयक्रम पर)	06 अंक
(7) टिप्पणी केवल 1 (पूरे पाठयक्रम पर)	06 अंक
(8) दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से 1) (पूरे पाठयक्रम पर)	12 अंक
	कुल अंक = 30

संदर्भ-

1. हिंदी भाषा और कंप्यूटर- संतोष गोयल

2. कंप्यूटर और हिंदी- हरिमोहन

3. कप्यूटर के मौखिक अनुप्रयोग- विजय कमार मल्होत्रा

4. कंप्यूटर के डाटा प्रस्तुतिकरण और भाषा-सिद्धांत- पी.के.शर्मा

5. सोशल नेटवर्किंग : नए समय का समाज- संजय द्विवेदी

6. जनसंचार- डॉ. राधेश्याम शर्मा

	Punyashlok Ahilyadevi Holkar Solapur University, Solapur **B. A. III (Hindi), Semester - 6** **Vertical : OJT (Credit- 4)** **Course Code**: G03-OJT-0601 **Course Name: Hindi** **Title of Paper: On Job Training (कार्यस्थल पर प्रशिक्षण)**	
*Teaching Scheme Lectures: 00 Hours 00 Credits OR Practical: 60 Hours, 02 Credit	With effect from June - 2026	*Examination Scheme UA:- 60 Marks CA:- 40 Marks

पाठ्यक्रम की प्रस्तावना

वर्तमान समय में भाषा केवल साहित्यिक अध्ययन तक सीमित नहीं रही है, बल्कि पत्रकारिता, मीडिया, प्रशासन, शिक्षा तथा डिजिटल मंचों में उसका व्यापक उपयोग हो रहा है। हिंदी भाषा का व्यावहारिक ज्ञान विद्यार्थियों को विभिन्न कार्यक्षेत्रों में रोजगार और कौशल विकास के अवसर प्रदान करता है।

स्नातक स्तर के हिंदी विद्यार्थियों के लिए **On Job Training (कार्यस्थल पर प्रशिक्षण)** का उद्देश्य उन्हें वास्तविक कार्यस्थल के वातावरण से परिचित कराना तथा हिंदी भाषा के व्यावहारिक उपयोग का अनुभव प्रदान करना है। इस प्रशिक्षण के माध्यम से विद्यार्थी लेखन, संपादन, रिपोर्टिंग, साक्षात्कार, दस्तावेज़ीकरण तथा डिजिटल माध्यमों के लिए सामग्री तैयार करने की प्रक्रिया को समझ सकेंगे।

यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों में भाषा कौशल, संप्रेषण क्षमता तथा व्यावसायिक दक्षता का विकास करने में सहायक होगा। साथ ही उन्हें सरकारी और सामाजिक संस्थाओं में हिंदी के राजभाषा स्वरूप तथा उसके उपयोग की जानकारी भी प्राप्त होगी। इस प्रकार यह प्रशिक्षण विद्यार्थियों को शैक्षणिक ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक अनुभव प्रदान कर उन्हें भविष्य के विविध कार्यक्षेत्रों के लिए तैयार करता है।

प्रशिक्षण के उद्देश्य (120 घंटे)

1. विद्यार्थियों में हिंदी भाषा के **प्रभावी लेखन एवं संपादन कौशल** का विकास करना।
2. विद्यार्थियों को **मीडिया तथा डिजिटल प्लेटफॉर्म के लिए सामग्री तैयार करने की क्षमता** विकसित करना।

3. विद्यार्थियों को **सरकारी एवं सामाजिक संस्थाओं में हिंदी राजभाषा कार्य की प्रकृति और प्रक्रिया** से परिचित कराना।
4. विद्यार्थियों को **रिपोर्ट लेखन, साक्षात्कार एवं दस्तावेज़ीकरण** की व्यावहारिक विधियों का प्रशिक्षण प्रदान करना।

प्रशिक्षण के अपेक्षित परिणाम (Learning Outcomes)

1. हिंदी में प्रभावी लेखन और संपादन कर सकेंगे।

2. मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म के लिए सामग्री तैयार कर सकेंगे।

3. सरकारी और सामाजिक संस्थाओं में हिंदी राजभाषा कार्य समझ सकेंगे।

4. रिपोर्ट लेखन, साक्षात्कार और दस्तावेज़ीकरण का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करेंगे।

1. On Job Training के संभावित कार्यक्षेत्र

हिंदी विषय के विद्यार्थियों को निम्न संस्थानों/कार्यक्षेत्रों में प्रशिक्षण दिया जा सकता है –

1. **समाचार पत्र / मीडिया कार्यालय** – समाचार लेखन, रिपोर्टिंग, संपादन
2. **प्रकाशन संस्थान / पुस्तकालय** – पुस्तक संपादन, प्रूफरीडिंग
3. **रेडियो** – स्क्रिप्ट लेखन, उद्घोषणा
4. **विद्यालय / कोचिंग संस्थान** – भाषा शिक्षण सहायता
5. **NGO / सामाजिक संस्था** – रिपोर्ट लेखन, दस्तावेज़ीकरण
6. **सरकारी कार्यालय** – हिंदी राजभाषा कार्य, पत्र लेखन
7. **डिजिटल मीडिया / ब्लॉग / यूट्यूब चैनल** – कंटेंट लेखन, स्क्रिप्ट

किसी भी एक संस्थान में कार्य पर्याप्त है। इसके अलावा स्थानीय आवश्कताओं के अनुसार प्रशिक्षण के लिए भेज सकते है।

2. 120 घंटे का प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (Course Structure)

इकाई 1 अ: हिंदी भाषा और लेखन कौशल

- शुद्ध हिंदी लेखन और वर्तनी
- रिपोर्ट लेखन, समाचार लेखन
- लेख / ब्लॉग / फीचर लेखन
- सरकारी पत्र और आवेदन लेखन

ब : संपादन एवं प्रूफरीडिंग

- प्रूफरीडिंग के चिन्ह और तकनीक
- संपादन के सिद्धांत
- पांडुलिपि का संशोधन
- पत्रिका / समाचार सामग्री का संपादन

इकाई 2 अ: मीडिया और डिजिटल लेखन

- रेडियो / टीवी स्क्रिप्ट लेखन
- सोशल मीडिया कंटेंट लेखन
- ब्लॉग और वेबसाइट लेखन
- इंटरव्यू और रिपोर्टिंग

ब : व्यावहारिक कार्य / फील्ड वर्क

- संस्थान में प्रत्यक्ष कार्य
- समाचार / रिपोर्ट तैयार करना
- एक लेख / स्क्रिप्ट / रिपोर्ट बनाना
- प्रशिक्षण डायरी तैयार करना

3. प्रशिक्षण गतिविधियाँ

विद्यार्थियों से निम्न कार्य कराए जा सकते हैं –

1. समाचार लेख लिखना
2. साक्षात्कार (Interview) लेना
3. ब्लॉग / फीचर लेख लिखना
4. स्क्रिप्ट तैयार करना
5. संपादन या प्रूफरीडिंग अभ्यास
6. प्रशिक्षण डायरी बनाना

4. मूल्यांकन पद्धति (Evaluation Method)

मूल्यांकन	**CA अंक**	**UA**
उपस्थिति और सहभागिता एवं संस्थान से प्रमाणपत्र	20	
प्रशिक्षण डायरी / रिपोर्ट	10	20
व्यावहारिक कार्य परिक्षण	10	20
मौखिक परीक्षा	00	20
कुल 100 अंक	**40**	**60**

बाह्य परीक्षक द्वारा (External Examiner) मूल्यांकन हो।